Q.1. जैन दर्शन में जीव के प्रकार और उनकी विशेषताएँ क्या हैं?

Ans. जैन दर्शन में जीवों को उनके चेतना और विकास के स्तर के आधार पर विभिन्न प्रकारों में विभाजित किया गया है। प्रमुख प्रकार निम्नलिखित हैं :

1. **एकेन्द्रिय जीव** (One-sensed beings) : ये जीव केवल एक इंद्रिय (स्पर्श) के माध्यम से संवेदी अनुभव करते हैं। इसमें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और वनस्पति के जीव शामिल होते हैं।
2. **द्विन्द्रिय जीव** (Two-sensed beings) : ये जीव दो इंद्रियों (स्पर्श और स्वाद) के माध्यम से संवेदी अनुभव करते हैं। इसमें कीड़े–मकोड़े शामिल होते हैं।
3. **त्रिन्द्रिय जीव** (Three-sensed beings) : ये जीव तीन इंद्रियों (स्पर्श, स्वाद और गंध) के माध्यम से संवेदी अनुभव करते हैं। इसमें चींटियाँ और खंटमल शामिल होते हैं।
4. **चतुरिन्द्रिय जीव** (Four-sensed beings) : ये जीव चार इंद्रियों (स्पर्श, स्वाद, गंध और दृष्टि) के माध्यम से संवेदी अनुभव करते हैं। इसमें मक्खियाँ और ततैया शामिल होते हैं।
5. **पंचेन्द्रिय जीव** (Five-sensed beings) : ये जीव पाँच इंद्रियों (स्पर्श, स्वाद, गंध, दृष्टि और श्रवण) के माध्यम से संवेदी अनुभव करते हैं। इसमें मनुष्य, पशु, पक्षी और देवता शामिल होते हैं।

जैन दर्शन में प्रत्येक जीव के विकास और चेतना का स्तर उसके कर्म और आत्मा की शुद्धि पर निर्भर करता है। जीवों के इस वर्गीकरण से जैन धर्म में सभी जीवों के प्रति करुणा, अहिंसा, और समानता का भाव उत्पन्न होता है, जिससे जीवात्मा की उन्नति और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

Q.2. जैन दर्शन में बंधन का क्या अर्थ है और इसके मुख्य कारण क्या हैं?

Ans. जैन दर्शन में बंधन का अर्थ है आत्मा का कर्मों के बंधन में फँसना। आत्मा स्वभावतः शुद्ध, अविनाशी और अनंत गुणोंवाली होती है, लेकिन कर्मों के बंधन के कारण यह अशुद्ध और सीमित हो जाती है। बंधन का मुख्य कारण राग (आसक्ति), द्वेष (घृणा) और मोह (अज्ञान) हैं। जब जीव अपनी इच्छाओं और वासनाओं के कारण कर्म करता है, तो कर्म-कण आत्मा के साथ जुड़ जाते हैं और आत्मा को बाँधते हैं। इन कर्मों के कारण जीव को जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म के चक्र में फँसना पड़ता है। इसप्रकार, आत्मा अपने शुद्ध और अनंत गुणों से वंचित हो जाती है और संसार में दुख भोगती है।

डॉ. श्रवण कुमार मोदी
सहायक प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र विभाग
शिवदेनी राम अयोध्या प्रसाद महाविद्यालय
बारा चकिया,पूर्वी चम्पारण
मो0–9608685335
Email Id- shrawankumarmodi1973@gmail.com